नन्ही गुड़िया | By Sangeeta Rathore

घर के आँगन में खुशियों का डेरा हुआ
नन्ही गुड़िया का घर में बसेरा हुआ
आँख नम हो गई दिल भी भर सा गया
ये अमानत किसी की पलेगी यहाँ

लक्ष्मी का होती वरदान हैं बेटियां
बंद मुट्ठी में लाती ये किस्मत यहाँ
दोनों हाथों से बांटी हैं खुशियां सदा
खुद के गम को छिपाती हैं सबको पता
घर के आँगन में खुशियों का डेरा हुआ
नन्ही गुड़िया का घर में बसेरा हुआ

शोभा होती हैं बेटियां परिवार की
आभा बढ़ती है बेटी से ससुराल की
रिश्ता होता बेटी का मायके से जुदा
चाँद तारे भी रोने लगा आसमां
घर के आँगन में खुशियों का डेरा हुआ
नन्ही गुड़िया का घर में बसेरा हुआ

हाथ काँधे पे लाडो ने यूँ ज्यूँ रखा
बोली पापा तेरी हूँ रहूंगी सदा
ख्वाब पूरे करुँगी तुम्हारे सदा
आंसू आने ना दूंगी ये वादा रहा
घर के आँगन में खुशियों का डेरा हुआ
नन्ही गुड़िया का घर में बसेरा हुआ

बात मानो सरल की तो सुमिरन करो
राख पलकों पे बेटी को इज़्ज़त करो
दोगे सम्मान बेटी को संसार में
भाग्य जागेगा अब तक जो सोया पड़ा
घर के आँगन में खुशियों का डेरा हुआ
नन्ही गुड़िया का घर में बसेरा हुआ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-by-sangeeta-rathore/